

राज शर्मा, एन के ई, सिन्हा, सतीश नायर, कमल नारायण चंद्रकार, बीई ओ लीलाधर सिन्हा, साहायिक शिक्षा अधिकारी श्रीमती तारिका कुंजाम, हिना बालेन, जगेश्वर सिन्हा, पटवैया संकुल प्राचार्य समीर चंद्र प्रधान, संकुल समन्वयक राजू देवानां, प्रधान पाठक अरुण कुमार साहू, सेवानिवृत्ति प्रधान पाठक चम्पन लाल निर्मलकर, नवागांव सरपंच श्रीमति पार्वती पटेल, शाला विकास समिति अध्यक्ष पूरन लाल शिक्षक अमर साहू, बिहेन्द्र साहू, नंदकुमार कर, कोमल दीवान, दुष्यंत सिन्हा, ओम ए साहू, मनोज सेन, मुरारी ध्रुव, ऋषि मुखलीधर निषाद, नरेश डडसेना, आशीष ममृत निषाद, नन्द कुमार कोसरे, श्रीमती दीवान, खिलेश्वरी कोसरिया, भगवती वाड, वासना साहू सहित संकुल के सभी शिक्षिकाओं ने शुभकामनायें दी है ।

उनके हस्त-पुष्प-मन्त्र-पुस्तक-संग्रह में
हैं उनको सेवा करने से भावना
प्रसन्न हो जाते हैं। शास्त्रों में वर्णित
है कि जो व्यक्ति प्रतिदिन माता-
पिता का प्रणाम प्रद्वि भाव से करेगा
उनके सात जन्म पाप नष्ट हो
जाएंगे। जिन्होंने हमें पाल पोसकर
बड़ा किया है। पिता ने उंगली
पर चढ़कर चलना सिखाया है।
उन्होंने उपकार को कभी नहीं भूलना
चाहिए। माता-पिता के आश्रय को
कभी चुकता तक नहीं किया जा
सकता।

जाएँ। जिन्होंने हमें पाल पोसकर
बड़ा किया है। पिता ने उंगली
पकड़कर चलना सिखाया है।
उन्के उम्कार को कभी नहीं भूलना
वाहिए। माता-पिता के ऋण को
कभी चुकता तक नहीं किया जा
सकता।

NAME CHANGE	
It is informed to the general	
public that I, YOKRAJ BUDHAJI	
KATRE S/O BUDHAJI KATRE	
resident of PLOT NO.-27 ,	
PROFESSOR COLONY , NEHRU	
NAGAR (WEST) BHILAI , DURG ,	
(C.G.) PIN-490020 have changed	
my old name YOKRAJ BUDHAJI	
KATRE S/O BUDHAJI KATRE	

other documents.

YOKRAJ KATRE
PLOT NO.-27, PROFESSOR
COLONY, NEHRU NAGAR
(WEST) BHILAI, DURG, (C.G.)
PIN-490020

NAME CHANGE

It is informed to the general
public that I, NILAM MURADALI
UMANI W/O AKBAR SAMNANI

W/O AKBAR SAMNANI so in
future I should be recognized by
my new name that is
NILAM SAMNANI W/O AKBAR
SAMNANI in all Government and
other documents.

NILAM SAMNANI

H NO 1728 ADHYODIK NAGAR
DURG (C.G.)

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी
(रा.) बालोद, जिला-बालोद (छ.ग.)
ईशतहार
ई कोर्ट नं....
ग्राम झलमला
तहसील बालोद
एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित
किया जाता है कि आवेदिका श्रीमती झमि
धनकर पति श्री पवन कुमार धनकर जाति

बालोत्त जिला वास्तव द्वारा ग्राम खलामपा ०.११२० २० स्थिति भूतु ग्राम समुद्र सतह से ११७३/३० रकबा ०.०११ है. कुल खसरा में ०१ कुल रकबा ०.०११ है. गैर कुल प्रयोजनीय आवसीय प्रयोजनाय हेतु व्यपस्तन वास्तु अन्तर्गत नक्का खसरा में बू-०१, ब्लू प्रिंट, रीसर्चु नक्का, ऋण पुस्तिका व अधिकार अभिलेख को छायाप्रति सहित प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त भूमि को आवसीय प्रयोजनाय हेतु परितरित किया जाने में जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति हो वह अपनी आपत्ति/दावा स्वयं या अधिकृत के माध्यम प्रस्तुत कर सकते हैं, नियत अवधि के पश्चात् प्राप्ता आपत्तियों पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से आज दिनांक ३०.०६.२०२५ को जारी किया गया।

मुखर **आदिनाथ गिरी अधिकारी (रा.)**
बालोद

जानकारी दी कि समिति की गत बैठक में व्यक्तिगत वन अधिकार पत्र और सामुदायिक वन अधिकारी के लिए कुल 1346 प्रकरणों पर चर्चा हुई थी, जिसमें 1274 व्यक्तिगत वन अधिकार पत्र के आवेदनों में से 1230 का वितरण किया जा चुका है और 44 आवेदन हेतु शेष है। इसी प्रकार सामुदायिक वन अधिकार के 23 और सामुदायिक वन संसाधन के 8 प्रकरण का भी वितरण किया जा चुका है। बैठक में बताया गया कि शेष 44 प्रकरणों में से 21 प्रकरण में आपत्ति का निराकरण कर वन मण्डल कोण्डागांव को भेजा गया है। 07 प्रकरणों पर वन परिक्षेत्र अधिकारी माकड़ी के द्वारा आपत्ति दर्ज किया गया है, जिसके पुनः वेरिफिकेशन हेतु निर्देश किया गया। शेष प्रकरणों में नजरी नक्शा बनाने की कार्यवाही जारी है। इस अवसर पर डीएफओ चुड़ामणि सिंह, एसडीएम कोण्डागांव अजय उरांव, एसडीएम फरसागांव अनज कुमार पसाम भी उपस्थित थे।

कैपिटल ज़ोन

पत्नी ने पति को मैसेज किया - आपको पड़ोसन कैसी लगती है...? पत्नी को खुश करने के लिए पति ने रिप्लाई किया - एकदम बंदरिया जैसी....!

पत्नी- ठीक है तो आते समय मेरे लिए दो साड़ी लेते आना, नहीं तो ये मैसेज पड़ोसन को दिखा दूंगी....!

हाई सिक्योरिटी नम्बर प्लेट नहीं लगाने वाले वाहन चालकों पर शिकंजा



शिक्षा व्यवस्था चौपट करने आमादा है सरकार :कांग्रेस

रायपुर, 2 जुलाई (देशबन्धु)। पहले नए सेटअप के नाम पर स्कूलों में शिक्षकों के पदों की न्यूनतम संख्या में कटौती की, अव्यवहारिक युक्तियुक्तकरण थोपा गया और अब तक छात्रों के लिये किताबों की व्यवस्था होने को लेकर राजधानी के आसपास के स्कूलों के पालक और छात्र आंदोलित हैं। मचानपुर, टेमरी, खाली, बिलाड़ी, कोरसी धरसीवां, तिल्ला, बेमेतर, साजा, रायपुर, बिलासपुर सहित लगभग पूरे प्रदेश में शिक्षकों की कमी है। उन्होंने कहा कि नए सेटअप और युक्तिकरण के नाम पर यह सरकार शिक्षकों का भयादोहन कर रही है। जहां पहले से ही शिक्षक कम है वहां से भी शिक्षकों को जबरिया हटाया जा रहा है। पूरी प्रक्रिया में पारदर्शिता और नैसर्गिक न्याय का अभाव है। न्यायालय के आदेश पर भी कर रही है। स्कूल खुले 15 दिन से अधिक का समय हो चुका है लेकिन अब तक पाठ्य पुस्तक स्कैन करने का काम ही नहीं हो पाया है

श्री शुक्ला ने कहा है कि सरकार की दुर्भावना के चलते सैकड़ों सरकारी स्कूलों में तालाबंदी की नौबत आ गई है। प्रदेश में हर माह सैकड़ों की संख्या में शिक्षक सेवानिवृत्त हो रहे लेकिन पिछले डेढ़ साल में नियमित

शिक्षक के एक भी पद पर नियुक्ति नहीं कर पाई है यह सरकार। बस्तर, सरगुजा संभाग के स्कूलों की स्थिति को सर्वविदित है अब तो क्षेत्रों में भी स्कूल बंदहाल होने लगे। शिक्षकों की कमी और विषय व्याख्याता के पद रिक्त होने को लेकर राजधानी के आसपास के स्कूलों के पालक और छात्र आंदोलित हैं। मचानपुर, टेमरी, खाली, बिलाड़ी, कोरसी धरसीवां, तिल्ला, बेमेतर, साजा, रायपुर, बिलासपुर सहित लगभग पूरे प्रदेश में शिक्षकों की कमी है। उन्होंने कहा कि नए सेटअप और युक्तिकरण के नाम पर यह सरकार शिक्षकों का भयादोहन कर रही है। जहां पहले से ही शिक्षक कम है वहां से भी शिक्षकों को जबरिया हटाया जा रहा है। पूरी प्रक्रिया में पारदर्शिता और नैसर्गिक न्याय का अभाव है। न्यायालय के आदेश पर भी कर रही है। स्कूल खुले 15 दिन से अधिक का समय हो चुका है लेकिन अब तक पाठ्य पुस्तक स्कैन करने का काम ही नहीं हो पाया है

न किताबें न गणवेश, स्कूलों में शिक्षकों के न्यूनतम पदों की संख्या में कटौती

आइसोलेशन वार्ड ईसीआरपी और नाबार्ड योजनाओं से ग्रामीण अंचलों में पहुंची आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाएं



रायपुर, 2 जुलाई (देशबन्धु)। छत्तीसगढ़ में कोविड-19 जैसी महामारियों से निपटने की तैयारी को मजबूत करने और आमजन तक गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सेवाएं पहुंचाने के उद्देश्य से ठोस कदम उठाए गए हैं। इमरजेंसी कोविड रिस्पॉस एंड हेल्थ सिस्टम प्रिपेयर्डनेस पैकेज ईसीआरपी के तहत प्रदेश के 571 स्वास्थ्य केंद्रों जिसमें शामिल 62 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र एवं 124 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में अतिरिक्त आइसोलेशन वार्ड स्वीकृत किए गए हैं। इनमें से 422 भवनों का निर्माण पूर्ण कर लिया गया है और 141 वार्ड तेजी से निर्माणाधीन हैं। ये सभी आइसोलेशन वार्ड न केवल भविष्य की स्वास्थ्य आपात

स्थितियों के लिए तैयार रहेंगेए बल्कि वर्तमान में स्वास्थ्य व्यवस्था को व्यापक और सशक्त बनाने में योगदान कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि नाबार्ड पोषित योजना के अंतर्गत भी राज्य में व्यापक स्तर पर आइसोलेशन सुविधाओं का विकास हुआ है। इस योजना के तहत 25 जिला अस्पतालों में 20 बिस्तरों के और 170 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में 10 बिस्तरों के आधुनिक आइसोलेशन वार्ड स्थापित किए गए हैं जिनका निर्माण कोविड महामारी के दौरान मरीजों के पृथक उपचार के लिए किया गया था। वर्तमान में महामारी के अभाव में इन भवनों का नवाचारपूर्ण वैकल्पिक उपयोग किया जा रहा है। कहीं इन्हें चिकित्सा

उपकरणों एवं दवाओं के सुरक्षित भंडारण के लिए स्टोर रूम के रूप में प्रयोग किया जा रहा हैए तो कहीं इन्हें प्रशिक्षण केंद्र एवं बैठक कक्ष के रूप में उपयोग में लाया जा रहा है।

आइसोलेशन भवनों ने स्वास्थ्य संस्थाओं की कार्यक्षमता को कई गुना बढ़ाया-आइसोलेशन भवनों ने स्वास्थ्य संस्थाओं की कार्यक्षमता को कई गुना बढ़ा दिया गया है। इनके बहुउद्देशीय उपयोग से स्वास्थ्य कर्मियों के कार्य संचालन में सुविधा मिली है और आकस्मिक परिस्थितियों में त्वरित तैयारियों की क्षमता भी सशक्त हुई है। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि रतनपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में आइसोलेशन वार्ड का भवन तकनीकी कारणों से अभी तक हैंडओवर नहीं हो सका है। जल्द ही आवश्यक प्रक्रियाएं पूर्ण कर इसे भी स्वास्थ्य सेवाओं में सम्मिलित किया जाएगा। इन सभी आइसोलेशन वार्डों को इस प्रकार डिजाइन किया गया है कि आवश्यकता पड़ने पर अल्प सूचना में ही इन्हें सक्रिय किया जा सके। राज्य सरकार की यह पहल छत्तीसगढ़ की स्वास्थ्य सुविधाओं को सुदृढ़ सक्षम और भविष्य के लिए पूरी तरह तैयार बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

सांसद बृजमोहन को केंद्र में नई जिम्मेदारी

अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय की हिन्दी सलाहकार समिति के सदस्य बने

रायपुर, 2 जुलाई (देशबन्धु)। सांसद एवं वरिष्ठ भाजपा नेता बृजमोहन अग्रवाल को भारत सरकार के अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय की हिन्दी सलाहकार समिति में सदस्य के रूप में नई जिम्मेदारी प्रदान की गई है।



अधिकाधिक उपयोग को लेकर प्रतिबद्ध हूं। अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय जैसे महत्वपूर्ण विभाग की हिन्दी सलाहकार समिति में सदस्य के रूप में जुड़ना मेरे लिए गौरव का विषय है।

मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गुहमंत्रि अमित शाह एवं संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू का हृदय से आभार व्यक्त करता हूं जिन्होंने मुझे यह दायित्व सौंपा। उल्लेखनीय है कि हिन्दी सलाहकार समिति का कार्य मंत्रालय की योजनाओं, कार्यक्रमों और दस्तावेजों में राजभाषा हिन्दी के अधिकाधिक प्रयोग को सुनिश्चित करना तथा भाषा से संबंधित सुझाव देना होता है।

एमआईसी ने 10 अतिरिक्त एसी बस स्टॉप का निर्माण कराये जाने दी स्वीकृति

रायपुर, 2 जुलाई (देशबन्धु)। 10 ए.सी. बस स्टॉप का निर्माण कर विज्ञापन प्रदर्शन का कार्य किये जाने हेतु मे सर्स

■ रायपुर में 100 ई बसों को चलाने की तैयारी



ए.एस.एडवर्टाईजर्स रायपुर से 10 मई 2019 को अनुबंध संपादन किया गया है, जिसकी कंडिका 1 में उल्लेखित शर्त ऋष्ट अनुसार 10 अतिरिक्त बस स्टॉप का निर्माण किये जाने की अनुमति प्रदान किये जाने का निवेदन

है. स्कूल शिक्षा में वर्ष 2016 एवं आदिम जाति कल्याण विभाग जो कि अब स्कूल शिक्षा विभाग के अधीन है उसमें वर्ष 2013 में अंतिम बार पदोन्नति हुई थी. विगत दस वर्षों से प्राचार्य की पदोन्नति नहीं होने के कारण चार संगठनों ने प्राचार्य पदोन्नति फोरम का गठन करते हुए 17 दिसंबर 2024 को इंद्रावती एवं महानदी भवन के समक्ष हजारों की तादात में प्रदर्शन कर शासन पर प्राचार्य पदोन्नति का

अखिल भारतीय सेवा के अधिकारी पोषण चंद्राकर ने छोड़ी नौकरी

रायपुर, 2 जुलाई (देशबन्धु)। भारतीय डाक एवं दूरसंचार लेखा तथा वित्त सेवा के 2009 बैच के अधिकारी पोषण चंद्राकर का इस्तीफा मंजूर कर लिया गया है सेंट्रल सिविल सर्विस की यह गुप्त सेवा है पोषण चंद्राकर ने पिछले साल जुलाई माह में अपनी सर्विस से इस्तीफा दिया था जो कि अब जाकर मंजूर हुआ है इस्तीफा देने के पहले उनकी नियुक्ति झारखंड के रांची में थी नौकरी छोड़ने के बाद पोषण चंद्राकर की राजनीति में आने की अटकलें तेज हो गई हैं लोकसभा चुनाव के दौरान ये हल्ला हुआ था कि वह राजनांदांव से चुनाव लड़ सकते हैं पोषण चंद्राकर मूलतः छत्तीसगढ़ के राजनांदांव



राजनीति में आने की अटकलें तेज

जिले से आते हैं और उनका परिवार राजनीति में सक्रिय रहा है छत्तीसगढ़ सरकार में प्रतिनियुक्ति पर रहे सेंट्रल सिविल सेवा में आने के

बाद से करीब 16 साल तक उनकी सेवा छत्तीसगढ़ में रही है। मूल विभाग के अलावा वह छत्तीसगढ़ सरकार में प्रतिनियुक्ति पर रहे बीजापुर और नारायणपुर जिले में जिला पंचायत सीईओ के रूप में सेवाएं दी है मंत्रालय में कृषि स्कूल शिक्षा समाजकल्याण और महिला बाल विकास में संयुक्त सचिव की जिम्मेदारी संभाली है। साय सरकार आने के बाद उन्हें बीज विकास निगम का अध्यक्ष बनाया गया था बीज विकास निगम में रहते हुए उनकी प्रतिनियुक्ति अवंधि खेताम हुई थी इसके बाद उनकी सेवाएं भारत सरकार को लौटा दी गई।

2 हजार से ज्यादा टीचर बनेंगे प्राचार्य

रायपुर, 2 जुलाई (देशबन्धु)। हाईकोर्ट द्वारा प्राचार्य पदोन्नति के विरुद्ध लगाई गई सप्पत याचिकाओं को खारिज करने के साथ ही अब प्राचार्य बनने की राह से बाधा हट गई है. 2813 व्याख्याता वर्षों के इंतजार के बाद प्राचार्य बनेंगे. स्टे हटने के बाद व्याख्याता एवं शिक्षक संगठनों ने खुशी जताई है। शिक्षा विभाग ने 30 अप्रैल को प्राचार्य पदोन्नति की सूची जारी की थी. जिसे हाई कोर्ट ने 1 मई

को स्थगित किया था. हाई कोर्ट में 9 जून से 17 जून तक लगातार सुनवाई हुई. जिसमें याचिकाकर्ताओं ने अपने अपने विषय में तथ्यों के साथ पक्ष रखा था. सुनवाई के बाद हाईकोर्ट ने फैसला सुरक्षित रखा था. आज कोर्ट ने समस्त याचिकाओं को खारिज कर दिया. इसी के साथ अब पदोन्नति की राह से बाधा दूर हो गई है. छत्तीसगढ़ प्राचार्य पदोन्नति फोरम के अनिल शुक्ला एवं राकेश शर्मा ने बताया

कि न्यायालयीन फैसले के उपरांत स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा 30 अप्रैल 2025 को व्याख्याता एवं प्रधान पाठक माध्यमिक विद्यालय से प्राचार्य पदोन्नति के 2813 प्राचार्य की पदस्थापना आदेश शीघ्र जारी हो जाएंगे. स्कूल शिक्षा विभाग में प्राचार्य के कुल स्वीकृत पदों की संख्या 4690 है. जिसमें वर्तमान में 1430 प्राचार्य कार्यरत हैं. पदोन्नति के कुल 3224 पद विगत कई वर्षों से रिक्त

हैं. स्कूल शिक्षा में वर्ष 2016 एवं आदिम जाति कल्याण विभाग जो कि अब स्कूल शिक्षा विभाग के अधीन है उसमें वर्ष 2013 में अंतिम बार पदोन्नति हुई थी. विगत दस वर्षों से प्राचार्य की पदोन्नति नहीं होने के कारण चार संगठनों ने प्राचार्य पदोन्नति फोरम का गठन करते हुए 17 दिसंबर 2024 को इंद्रावती एवं महानदी भवन के समक्ष हजारों की तादात में प्रदर्शन कर शासन पर प्राचार्य पदोन्नति का

दबाव बनाया. फोरम के अनिल शुक्ला, राकेश शर्मा, आर. के. झा, श्याम कुमार वर्मा एवं मलखम वर्मा ने हाईकोर्ट के फैसले का स्वागत करते हुए इसे सत्य की जीत कहा है। साथ ही मांग की कि जिनका नाम 30 अप्रैल को जारी पदोन्नति आदेश में सम्मिलित है और वे सेवानिवृत्त हो गए हों तो भी उन्हें प्राचार्य पदोन्नति का लाभ देना चाहिए।

रायपुर पहुंचा पार्टी का जांच दल

महेश कुडियम की फर्जी मुठभेड़ में हुई मौत, न्यायिक जांच आयोग का हो गठन : आप

रायपुर, 2 जुलाई (देशबन्धु)। बीजापुर जिले के इरपागुड़ा में हुई मुठभेड़ में मारे गए महेश कुडियम के गांव 28 जून को आप पार्टी का जांच दल पहुंचा। जांच दल ने गांव से तथ्य इकट्ठा कर सरकार से न्यायिक जांच आयोग के गठन की मांग की है। आम आदमी पार्टी के जांच दल ने महेश कुडियम की मौत फर्जी मुठभेड़ में होना बताया है। प्रेसवार्ता कर जांच दल की अध्यक्ष प्रियंका शुक्ला ने कहा कि आम आदमी पार्टी के जांच दल ने दिनांक 28 जून को बीजापुर के इरपागुड़ा जाकर महेश कुडियम की पत्नी सुमित्रा कुडियम और उनके 07 बच्चों सहित गांव वालों से मुलाकात की और मामले में तथ्यों को इकट्ठा किया।

जांच दल की अध्यक्ष प्रियंका शुक्ला ने कहा कि गांव में महेश की पत्नी सुमित्रा ने बताया कि दिनांक 6 जून को जब महेश अपने भैंस का दूढ़ने के लिए गांव में पास के जंगल तरफ गया था, लेकिन वापस नहीं आया, जिस पर गांव वालों ने सब जगह दूढ़ा लेकिन नहीं मिला। 7 जून को भी दूढ़ा गया। लेकिन, नहीं मिला। उसी दिन पटनम से लौट रहे एक व्यक्ति मैट्टा शैलेष नामक युवक की गांव वालों से मुलाकात हुई, और शैलेष ने बताया कि किसी व्यक्ति को पुलिस वालों ने हाथ बांधकर

रखे देखा था। उन्होंने कहा कि इसके बाद गांव वाले 08 जून को बीजापुर थाने आए,



तब वहां पर पृच्छाछ करने से फोटो दिखाया गया, जिसमें पुष्टि हुई कि महेश को मार दिया गया है, और उसको नक्सली बताया गया है। इसके बाद वही पर महेश की बाँड़ी परजनों और गांव वालों को दे दी गई। प्रियंका शुक्ला ने आगे कहा कि

इस पूरे मामले गांव वालों से, परिवार वालों से, स्कूल वालों से बातचीत जांच में यह तथ्य सामने आया और सबने एक ही सुर में यह बात बार बार दोहराई कि महेश कुडियम नक्सली न था, और न कभी पहल भी शामिल हुआ। महेश के बारे में सबका कहना है कि वह एक आम जीवन जीने वाला आदिवासी किसान था, और उस दिन भी वो अपने रोज का काम करते में भैंसा दूढ़ने गया था और फिर वापस नहीं आया। महेश 2023 से रसोइए का काम स्कूल में कर रहा था, लोगों में महेश को ईमानदार और अच्छा

काम करने वाला बताया है। उन्होंने कहा कि इसके अलावा हमारे द्वारा महेश और उसके पत्नी के समस्त दस्तावेज जिसमें आधार कार्ड, राशन कार्ड, बैंक अकाउंट, आदि दस्तावेज देखने से भी प्राथमिकता से देखने से यह दर्शित हो रहा है कि वो एक आम जीवन गांव में व्यतीत कर रहा था, और उसके खाने में हर माह वेतन भी आया है। महेश के सात बच्चे में सबसे बड़ा बच्चा 12 वर्ष के आस पास का है और सबसे छोटा बच्चा 6 माह का है, प्रत्येक बच्चों में 2 साल, एक साल के आस पास का अंतर है, ऐसे में जिसके 07 बच्चे हैं, उसका एक लाख का इनामी माओवादी कहलाना समझ से परे है।

प्रवेश प्रारंभ

पं. रविशंकर शुक्ल वि.वि. से सम्बद्ध

प्रवेश प्रारंभ

शांतिनिकेतन महाविद्यालय

M.Sc.

Micro Bio., Com. Science, I.T.,

B.Sc.

Micro Bio., Com. Science, I.T. & Plain

B.Com.

Plain & Computer Application

50%

की विशेष छूट

ST, SC, OBC

विद्यार्थियों के लिए (100%) छात्रवृत्ति की सुविधा

BCA, DCA, PGDCA

--: प्रवेश हेतु संपर्क करें:--

बाजार चौक के पास, चंगोराभाटा, रायपुर

0771-2243085, 2242890, 9425526891, 7828168418

बेलाट नाला में बनेगा उच्च स्तरीय पुल

36 गांवों के लोगों को आने-जाने में होगी आसानी

गरि याबंद , 2 जुलाई(देशबन्धु)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने इसी साल जनवरी में गरियाबंद प्रवास के दौरान जिले के दूरस्थ वनांचल क्षेत्र देवभोग-झाखरपारा के 36 गांवों के लोगों की सुविधा के लिए बेलाट नाले पर उच्च स्तरीय पुल निर्माण की घोषणा की थी। मुख्यमंत्री के घोषणा के अनुरूप पुल निर्माण के शासन से 4 करोड़ 24 लाख रुपये की स्वीकृति मिलने के साथ ही टेंडर प्रक्रिया भी जारी है। एक सप्ताह में टेंडर प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद जल्द ही निर्माण कार्य की कार्यवाही भी शुरू हो जाएगी। यहां 90 मीटर उच्च स्तरीय पुल का निर्माण किया जायेगा। इससे अंचल के 36 गांवों के लोगों को आवागमन की उत्तम सुविधा मिलने लगेगी।

निर्माण कार्य शुरू होने के पहले बुधवार को कलेक्टर बी.एस. उइके ने देवभोग पहुंच बेलाट नाला स्थल का निरीक्षण किया। उन्होंने नाला पर बनने वाले पुल के जगह और उससे लोगों को होने वाली सहुलियत का अवलोकन किया। उन्होंने कहा कि लोगों को



सुविधा देने के उद्देश्य से पुल का निर्माण उच्च प्राथमिकता में लेकर किया जायेगा। जैसे ही टेंडर प्रक्रिया पूर्ण होगी तथा बारिश का मौसम खत्म होगा, तेजी से पुल निर्माण कार्य शुरू किया जायेगा। उन्होंने कहा कि शासन-प्रशासन की उच्च प्राथमिकता है कि लोगों को मूलभूत सुविधाओं का त्वरित लाभ मिले। इसी उद्देश्य से सभी क्षेत्रों में विकास कार्य किये जा रहे हैं। साथ ही योजनाओं का गंभीरतापूर्वक क्रियान्वयन किया जा रहा है।

उल्लेखनीय है कि बेलाट नाला में काफी लम्बे समय से पुल की आवश्यकता महसूस की जा रही थी। लोगों की मांग एवं सुविधाओं को देखते हुए मुख्यमंत्री ने इसकी घोषणा भी कर दी थी। शासन-प्रशासन स्तर से पुल निर्माण के

खेलकूद एवं अन्य शैक्षणिक गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए भी निर्देश दिये। इस दौरान जिला पंचायत सीईओ जी.आर. मरकाम सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।

उल्लेखनीय है कि बारिश के चलते विकासखण्ड देवभोग मुख्यालय की तेल नदी के उस तरफ बसे 36 गांव को जोड़ने वाला बरसाती नाला बेलाट में हर बारिश काफी अधिक मात्रा में जल प्रवाह के कारण लोगों को आने-जाने में परेशानी होती थी। रफ़्त में बहाव तेज होने से आवा-जाही बंद होने की भी समस्या सामने आती रही है। इसी समस्या की वस्तुस्थिति का अवलोकन करने एवं पुल निर्माण की आवश्यक कार्य योजना का जायजा लेने आज कलेक्टर भगवान सिंह उईके एवं जिला पंचायत सीईओजी.आर. मरकाम बेलाट नाला का निरीक्षण करने पहुंचे। इस दौरान उन्होंने तेज बहाव होने पर सावधानी के सभी उपाय सुनिश्चित करने के लिए स्थानीय अधिकारियों को निर्देश भी दिए।

सूतीउरकुली में श्रीमद् भागवत महापुराण कथा ज्ञान यज्ञ का शुभारंभ

बिलाईगढ़ , 2 जुलाई(देशबन्धु)। ब्लॉक मुख्यालय बिलाईगढ़ से लगा ग्राम सूतीउरकुली में श्रीमद् भागवत महापुराण कथा ज्ञान यज्ञ का शुभारंभ आज कलश यात्रा से हुआ। ग्राम सूतीउरकुली में श्रीमद् भागवत महापुराण कथा ज्ञान यज्ञ का आयोजन 2 जुलाई से 10 जुलाई तक किया गया है कथा व्यास किशोरी आराध्या शर्मा जी होंगे जो अपनी ओजमयी, आनंदमय वाणी से श्रीमद् भागवत कथा का रसपान कराएंगे। तय कार्यक्रम के अनुसार पावन कथा प्रसंग के अनुसार 2 जुलाई को कलश यात्रा, वेदी पूजन, संंध्या आरती, 3 जुलाई को मंगलाचरण महत्पाम व गोकर्ण कथा, 4 जुलाई सुकदेव जी एवं परीक्षित जन्म, 5



जुलाई को कपिलावतार, ध्रुव चरित्र, शिव पार्वती विवाह, 6 जुलाई को प्रह्लाद चरित्र, वामन चरित्र, श्री कृष्ण जन्मोत्सव श्री राम चरित्र कथा, 7 जुलाई को कृष्ण लीला, माखन चोरी, गोवर्धन पूजा, रासलीला, 8 जुलाई को गोपी विरह गीत, कंस वध, रुक्मणी मंगल, 9 जुलाई को सुदामा चरित्र, परीक्षित मोक्ष, कथा विश्राम, चट्टोरी, एवं 10 जुलाई को वार्षिक श्राद्ध, तुलसी वर्षा, गुरु पूर्णिमा

महोत्सव, हवन यज्ञोत्सान, कपिला तर्पण, पूर्णाहुति एवं भंडारा आरती का आयोजन किया गया है। ज्ञात हो कि श्रीमद् भागवत ज्ञान यज्ञ कथा स्वर्गीय भूपेंद्र कुमार साहू सहायक शिक्षक एवं पितरों के उद्धार हेतु प्राचार्य रामकुमार साहू के द्वारा आयोजित किया गया है। उन्होंने अनुरोध किया है कि अधिक से अधिक संख्या में पधार कर ज्ञान यज्ञ में भाग लेकर अखंड पुण्य के भागी बने और जीवन को धन्य बनाएं। कथा श्रवण का

विश्व डाक्टर दिवस पर वृक्षारोपण



पलारी 2 जुलाई (देशबन्धु) विश्व डॉक्टर दिवस पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र दतान (प) के प्रभारी डॉक्टर सतीश नायक को पीपल का पौधा भेंट कर, अस्पताल परिसर में पीपल, कोनाकार, आम पौधा का रोपण- पेड़ नहीं हम प्राण लगावो अभियान टीम के सदस्य मदेश बारले, रंज कुमार वर्मा, भूपेंद्र महेश्वर, देवनाथ वर्मा, के तत्वाधान में अस्पताल

परिसर पर समस्त कर्मचारी एवं मितानिन सभी मिलकर वृक्षारोपण किया गया इस अवसर पर पंकज वर्मा, चंद्रशेखर साहू, प्रदीप, महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता श्रीमती तारिणी कनौज, श्रीमती वीनारानी मानिकपुरी, श्रीमती अश्वनी जोशी, मितानिन श्रीमती मधु वर्मा, श्रीमती सुनीता वर्मा, सेवती वर्मा, सहित भारी संख्या में लोग उपस्थित थे।

प्रादेशिकी का शेष...

सरगोड़ में शाला...

गलत का परख कर पाता है। अंत में सभी पालको को नियमित शाला भेजने एवं गृहकार्य को हल कराने के लिए प्रेरित किया। और शिक्षा के स्तर को ऊपर उठाने के लिये निवेदन किया गया। आभार प्रदर्शन देवनारायण सेन शिक्षक द्वारा दिया गया।

विशेष पिछड़ी जनजाति बाहुल्य गांव...

बाल विकास विभाग द्वारा गर्भवती महिलाओं की गोद भराई की रस्म किया गया। इस अवसर पर सरपंच रमेश कुमार ध्रुव, सरपंच संघ उपाध्यक्ष सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि, एसडीएम आर. आर. दुबे विभागीय अधिकारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित थे।

आपदा पीड़ित 4 परिवारों को 16 लाख की आर्थिक सहायता

बलौदाबाजार , 2 जुलाई (देशबन्धु)। प्राकृतिक आपदा से मृत 4 लोगों के निकट परिजनों के लिए 16 लाख रुपये की आर्थिक सहायता स्वीकृत की गई है। प्रत्येक व्यक्ति के लिए 4-4 लाख रुपये की स्वीकृति प्रदान की गई है। कलेक्टर दीपक सोनी ने राजस्व पुस्तक परिपत्र की धारा 6-4 के तहत ये स्वीकृतियां प्रदान की हैं। जिला कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीड़ित परिजनों में नरोत्तम निषाद पिता गुनीराम निषाद, निवासी ग।म. नवापारा, तहसील कसडोल, तिजरांम पिता सतरांम सतनामी, निवासी ग्राम दतान ख तहसील पलारी, चुकेश कुमार पिता छबिराम वर्मा, निवासी ग्राम अहिलदा, तहसील लवन एवं श्रद्धा चौहान पति संतोष चौहान, निवासी ग्राम पहंदा, तहसील टुंडरा शामिल हैं।

बरसते पानी के बीच आदिवासी समाज ने निकाली विशाल रैली

9 सूत्रीय माँगों को लेकर राष्ट्रपति और मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

गरियाबंद , 2 जुलाई(देशबन्धु)। बुधवार को जिला मुख्यालय गरियाबंद में आदिवासी समाज ने अपने विभिन्न मांगों को लेकर विशाल रैली निकाली। सर्व आदिवासी समाज के बैनल तले जिला पंचायत सदस्य संजय नेताम और लोकेश्वरी नेताम के नेतृत्व में आयोजित इस विशाल रैली हजारों की संख्या में आदिवासी महिला पुरूष शामिल हुए। बरसते पानी में आदिवासी विकास परिषद भवन चमकरटड़ा से कलेक्ट्रेट तक तीन किमी पैदल मार्च किया। अपने अधिकारों के संरक्षण और जनहित की मांगों को लेकर नारेबाजी भी की। कलेक्ट्रेट पहुंच राष्ट्रपति, राज्यपाल और मुख्यमंत्री के नाम अपर कलेक्टर अरविंद पांडेय को ज्ञापन सौंपा। इस दौरान जिला पंचायत



सदस्य संजय नेताम ने कहा कि यह सिर्फ विरोध नहीं, हमारी अस्मिता और अस्तित्व की लड़ाई है। हम अपने हक और सम्मान की रक्षा के लिए अपनी ही हद तक जाने को तैयार हैं। वन विभाग द्वारा ग्रामसभाओं के अधिकारों में दखल, संविधान के खिलाफ है और हम इसका हर मंच पर विरोध करेंगे। यह हमारे संवैधानिक और पारंपरिक अधिकार हैं। हमारा संपूर्ण जल, जंगल, ज़मीन की रक्षा का है। सरकार को आदिवासी समुदाय की आवाज़ को गंभीरता से

जिले में अब तक 163 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज

बलौदाबाजार , 2 जुलाई (देशबन्धु)। जिले में चालू मानसून के दौरान 1 जून से 26 जून 2025 तक 163 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है। जिले में सर्वाधिक वर्षा तहसील सुहेला में 234.9 एवं सबसे कम वर्षा कसडोल तहसील में 111.5 मिलीमीटर हुई है।

भू-अभिलेख कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार तहसील लवन में 138.2, सिमगा में 171.4, भाटापारा में 176.8, कसडोल में 111.5, पलारी में 167.6, टुण्डरा में 144.5 एवं बलौदाबाजार में 144.6 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई है। इस तरह कुल 1466.8 मिमी अभी तक दर्ज की गई है जिसकी औसत वर्षा 163मिमी है। 2 जुलाई 2025 को 33.2 मिलीमीटर दर्ज की गई है जिसकी औसत वर्षा 3.7 मि.मी. है। जिले के तहसीलवार में टुण्डरा 9.5 मिलीमीटर, कसडोल 11.6 मिलीमीटर, सोनाखान 8.3, लवन 3.8 मीमी, सिमगा, सुहेला, बलौदाबाजार, पलारी एवं भाटापारा में शून्य मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई है।

आज कनकबीरा और 4 जुलाई को बिलाईगढ़ में होगा दिव्यांग परीक्षण शिविर

बिलाईगढ़, 2 जुलाई(देशबन्धु)। भारत सरकार की एडिप एवं राष्ट्रीय वयोश्री योजनान्तर्गत जिले के दिव्यांगों के अंगों का पहले नाप फिर कुछ दिन बाद भारत सरकार से अनुबंधित कंपनी जबलपुर द्वारा उसी नाप का मशीन, उपकरण, छड़ी, बैसाखी, मोटराइज्ड सायकल आदि निशुल्क प्रदान किया जाएगा। इसके लिए 3 जुलाई को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कनकबीरा, 4 जुलाई को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिलाईगढ़ में और 5 जुलाई को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सरसीवा में दिव्यांगों के नापजोख के लिए शिविर का आयोजन किया जाएगा। दिव्यांग को अपने साथ 4 पासपोर्ट फोटो, आधार कार्ड, राशन कार्ड सहित अन्य उपलब्ध प्रमाण पत्र शिविर में लाना अनिवार्य है। अधिक जानकारी के लिए उप संचालक समाज कल्याण विभाग, जनपद पंचायत कार्यालय परिसर सारंगढ़ से संपर्क कर सकते हैं।

प्राकृतिक आपदा से 24 मृतकों के परिजनों के लिए कलेक्टर ने किया आर्थिक सहायता स्वीकृत

बिलाईगढ़, 2 जुलाई(देशबन्धु)। कलेक्टर डॉ. संजय कन्नौज ने राजस्व आपदा अंतर्गत जिले के निवासियों के प्राकृतिक आपदा से मृत्यु होने पर उनके परिजनों के लिए राजस्व पुस्तक परिपत्र 6(4) के तहत चार लाख रूपए की स्वीकृति प्रदान की है। कलेक्टर डॉ. कन्नौज ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में मृतक के परिजनों को प्रतीकात्मक चेक प्रदान किया। यह आर्थिक सहायता परिजन के बैंक खाता में डायरेक्ट भुगतान किया जाएगा। आग में जलने से अंजली खड्गिया, निवासी ग्राम छिन्दपेतरा तहसील बरमकेला की मृत्यु होने पर पति भोजराम और पुत्री वंदना को संयुक्त रूप से, आकाशीय बिजली गिरने से सेतराम भारद्वाज निवासी ग्राम रेड़ा तहसील, आंधी तूफान में डंगाल गिरने से गणेशराम साहू निवासी ग्राम झुमका तहसील सरसीवा की मृत्यु होने पर पति सहोद्री साहू को चार लाख रूपए का आर्थिक सहायता प्रदान किया गया।



सरपंदेश से मृत्यु पर बिलाईगढ़ तहसील के ग्राम मलुहा निवासी कांशीराम की पत्नी लछ्मबाई, सरसीवा तहसील के ग्राम डूरुमगढ़ के धरमदास की पत्नी कचराबाई, सारंगढ़ तहसील के ग्राम रांपगुला के दिलसाय साहू की पत्नि सुशीला, ग्राम छोटे खैरा के निखिल सिंदार के पिता श्यामकुमार, ग्राम होलधरपाली के गोवर्धन वैष्णव की पत्नी शीतल वैष्णव, ग्राम खरवानी बड़े की पदमिनी की माता अमृतबाई सारथी, ग्राम खम्हारडीह के संजू उरांव की माता मालती उरांव, बरमकेला तहसील के ग्राम गिण्डोला की तिलोत्तमा सिंदार के पौत्र द्रोणाचार्य, ग्राम कपरतुंगा के फागुलाल की पत्नी नीराबाई एवं पुत्री बासमति,

स्व. डॉ. रामकुमार सिरमौर के जयंती पर भोज कार्यक्रम

खरौरी , 2 जुलाई(देशबन्धु)। छत्तीसगढ़ मनवा कुर्मी क्षत्रिय समाज के पूर्व के न्द्रीय अध्यक्ष स्व. डॉ. रामकुमार सिरमौर के जन्मजयंती के अवसर पर एम. आर. एम. मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल, खरौरी की संचालक डॉ. नम्रता सिरमौर द्वारा शासकीय प्राथमिक एवं पूर्व माध्यमिक विद्यालय, खरौरा में स्नेह भोज का आयोजन संपन्न हुआ, साथ ही स्कूली बच्चों को कॉपी पेन दिया गया। कार्यक्रम की शुरुआत स्व. डॉ. रामकुमार सिरमौर के तैलचित्र पर माल्यार्पण कर किया गया इसके बाद बच्चों के साथ एम. आर. एम. हॉस्पिटल की

संचालक डॉ. नम्रता सिरमौर, शाला विकास समिति के अध्यक्ष विजय शर्मा, स्कूल के प्रधानाठक एस. वर्मा, शिक्षकगण जे. पाध्यय, सी.



एस. साहू, पी. वर्मा, डी. एन. शर्मा, जी यादव, एम साहू, पी. निर्मलकर, एम. चंद्राकर, श्रवण भोई, पार्षद प्रतिनिधि गोपाल देवांगन सहित आम नागरिकगण एक साथ आए और सहभोज किये।

निःशुल्क मल्लखम्ब खेल प्रशिक्षण आज से प्रारम्भ

बलौदाबाजार , 2 जुलाई (देशबन्धु)। जिला प्रशासन एवं खेल एवं युवा कल्याण बलौदाबाजार के तत्वाधान में जिला मुख्यालय बलौदाबाजार में मल्लखम्ब खेल का प्रशिक्षण 3 जुलाई से प्रारंभ किया जा रहा है। मल्लखम्ब भारत की एक प्राचीन खेल विद्या है जिसका अभ्यास जिम्नैस्टिक योग एवं एक्रोबेटिक्स के आयामों के साथ किया जाता है।

निधन

गुनीराम साहू का दुखद निधन

थानखम्हरिया, 2 जुलाई। समीपस्थ ग्राम गातापार निवासी गुनीराम साहू का 29 जून को दुखद निधन हो गया। अंतिम संस्कार गमगीन माहौल में गाँव के मुक्ति धाम में किया गया। मृतक का दशमात्र कार्यक्र म 8

जुलाई को संपन्न होगा। गुनीराम अपने पीछे पत्नी संगीता तथा पुत्री राखी को रोता बिलखता छोड़ गए। वे गातापार के सरपंच हरदत्त, सोनू तथा दौलत के चाचा थे।

श्री दशरू राम साहू

थानखम्हरिया, 2 जुलाई। समीपस्थ ग्राम गातापार निवासी दशरू राम साहू का निधन 2 जुलाई को हुआ, जिनकी अंत्येष्टि संस्कार ग्राम के मुक्तिधाम में ही किया गया। वे राहौ बाई साहू के पति तथा घनश्याम साहू, ननकुराम साहू, बहादुर और हाथी कांरिडोर क्षेत्रों में जीरो विस्थापन नीति लागू हो और सह-अस्तित्व की नीति को बढ़ावा दिया जाए।

